(b) The names of the places are:

1. Ganganagar.	12. Pilani.
2. Bikaner.	13 Tonk.
3. Jodhpur.	14. Alwar.
4. Barmer.	15. Dholpur
5. Jaipur.	16. Erinpura Road.
6. Ajmer.	17. Phalodi.
7. Kotah.	18. Sikar.
8. Brijnagar.	19. Jaisalmer.
9. Gadra Road.	20. Udaipur.
10. Churu.	21. Jhalawar.
11. Nagaur.	

Former Ruler of Bastar

650. **Shri Birendra Bahadur Singh:**
Shri P. C. Deo Bhanj:
Shri Lakhmu Bhawani:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri Gokaran Prasad:
Shri Mate:
Shri Onkar Lal Berwa:

Will the Ministr of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether a final decision has been taken to release the property of former Ruler of Bastar from the control of Court of Wards;

(b) if so, what are the details of the decision; and

(c) whether the same has since been implemented?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hajarnavis): (a) to (c). The Government of Madhya Pradesh have released the property of the former Ruler of Bastar from the Court of Wards with effect from the 25th July, 1963. The property belonging to the former Ruler in his private capacity will be handed over to him, but the property held by him in his capacity as Ruler of Bastar will however pass to the present Ruler, Maharaja Vijay Chandra Bhanj Deo.

राष्ट्रीय रक्षा कोष

६५१. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि राष्ट्रीय रक्षा कोष में भूतपूर्व नरेशों ने अब तक कितना पैसा दिया है ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : भूतपूर्व नरेशों ने राष्ट्रीय रक्षा कोष में अपनी निजी थैलियों में से कुल २८,७१,९१७ रु० ४० न० पै० का वार्षिक अंशदान देने का वचन दिया था। गृह मंत्रालय में उपलब्ध सूचना के अनुसार भूतपूर्व नरेशों ने अभी तक १७,६३,४४५ रु० की रकम दे दी है।

जीव उत्पत्ति संबंधी अनुसंधान

६५२. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या **वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चार भारतीय वैज्ञानिकों ने नैनीताल की प्रयोगशाला में जीव उत्पत्ति के कुछ महत्वपूर्ण तत्वों का विश्लेषण किया है ; और

(ख) यदि हां, तो इनके पांच साल के अध्ययन का क्या परिणाम रहा है ?

वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (डा० म० मो० दास) : (क) और (ख). यह प्रश्न शायद उस अनुसंधान के बारे में है जो प्रोफेसर ओ० एन० पर्ती के नेतृत्व में डी० एस० बी० गवर्नमेंट कालेज, नैनीताल में और इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के रसायन शास्त्र के असिस्टेंट प्राफेसर डा० कृष्ण बहादुर के नेतृत्व में इन-आर्गेनिक सामग्री से जीव-उत्पत्ति के बारे में की गई है।

हमारी पूछताछ पर उत्तर प्रदेश सरकार ने निम्नलिखित सूचना दी है :—

> नैनीताल में प्रोफेसर ओ० एन० पर्ती और श्री एम० डी० पाठक तथा इलाहाबाद में डा० कृष्ण बहादुर और उनकी पत्नी डा० एस० रंगनायकी, अपने अनुसंधान छात्रों की मदद से, फोटोकेमिकल प्रोसेस के जरिये ऐसी सेल के आकार की यूनिटें (०–५ से